भारत सरकार
विदेश मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या - 3428
दिनांक 08.08.2025 को उत्तर दिए जाने के लिए

भारत-मालदीव विजन दस्तावेज

† 3428. **डॉ. प्रशांत यादवराव पडोले:**

क्या **विदेश** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:
(क) द्वितीय भारत-मालदीव उच्च स्तरीय कोर समूह (एचएलसीजी) बैठक ने व्यापक आर्थिक एवं समुद्री सुरक्षा साझेदारी पर भारत-मालदीव विजन दस्तावेज के कार्यान्वयन में किस प्रकार योगदान दिया; और
(ख) इस बैठक के दौरान विशेष रूप से समुद्री सुरक्षा एवं आर्थिक सहयोग के संदर्भ में सहयोग के किन विशिष्ट क्षेत्रों पर चर्चा की गई?

उत्तर
विदेश राज्य मंत्री
[श्री कीर्तवर्धन सिंह]

(क) और (ख) भारत और मालदीव के बीच उच्च स्तरीय कोर समूह (एचएलसीजी) की 2025 में दो बार, जनवरी और मई में बैठक हुई है। एचएलसीजी की ये बैठकें व्यापक आर्थिक एवं समुद्री सुरक्षा साझेदारी हेतु भारत-मालदीव संयुक्त विजन की प्रगति की निगरानी के लिए आयोजित की जाती हैं।

इन बैठकों में सहयोग के जिन क्षेत्रों पर चर्चा की जाती है उनमें राजनीतिक आदान-प्रदान, विकास साझेदारी, व्यापार, वित्त, ऊर्जा, डिजिटल, स्वास्थ्य, रक्षा और सुरक्षा, क्षमता निर्माण और प्रशिक्षण, लोगों के आपसी संबंध तथा क्षेत्रीय और बहुपक्षीय मंचों पर सहयोग शामिल हैं। यह एचएलसीजी बैठकें भारत-मालदीव सहयोग को आगे बढ़ाने में सहायक रहीं।

*****